



22050130

HINDI A1 – HIGHER LEVEL – PAPER 2
HINDI A1 – NIVEAU SUPÉRIEUR – ÉPREUVE 2
HINDI A1 – NIVEL SUPERIOR – PRUEBA 2

Friday 6 May 2005 (morning)
Vendredi 6 2005 (matin)
Viernes 6 de mayo de 2005 (mañana)

2 hours / 2 heures / 2 horas

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3^e partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2^e partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3^e partie n'obtiendront pas une note élevée.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग 3 की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। अगर उचित हो तो आप भाग 2 में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यावहारिक चर्चा कर सकते/सकती हैं। अगर आपका उत्तर भाग 3 की पढ़ी हुई रचनाओं पर आधारित नहीं होगा तो आपको ज़्यादा अंक नहीं मिलेंगे।

कविता

1 क “मधुर शब्दों में भाव-प्रसूत और कल्पना-प्रसूत विचारों को प्रकट करने की कला को कविता कहते हैं।” जिन कविताओं को आपने पढ़ा है उनमें प्रस्तुत की गई भावनाओं व कल्पना का उल्लेख करते हुए इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

या

ख जिन रचनाओं को आपने पढ़ा है उनके बारे में यह बताएं कि कवि या कवित्री अपने भाव सफलता व प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर पाए हैं या नहीं ?

उपन्यास

2 क “उपन्यास का ध्येय केवल मानव जीवन का चित्रण ही नहीं वरन् सम्पूर्ण वास्तविकता और यथार्थता का चित्रण करना है।” जिन उपन्यासों को आप ने पढ़ा है उनके आधार पर यह कथन कहाँ तक मान्य है ?

या

ख जिन उपन्यासों को आप ने पढ़ा है उनमें प्रस्तुत की गई समस्याओं की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए बताएं कि क्या उपन्यासकार अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर पाए हैं ?

कहानी

- 3 क “कहानी में कथावस्तु, चरित्र-चित्रण और वातावरण इन तीनों में से किसी एक की प्रधानता होती है ” । इस कथन पर अपने विचार प्रकट करते हुए उल्लेख कीजिए कि जिन कहानियों को आप ने पढ़ा है उनके कहानीकारों ने आप पर कैसा प्रभाव डाला ?

या

- ख कहानी के लघु आकार में विषयवस्तु को प्रस्तुत करने के लिए उसकी भाषा की रौचिकता व शैली का मार्मिक होना अनिवार्य है । जिन कहानियों को आप ने पढ़ा है वो इस कसौटी पर कहां तक सफल कहानियां मानी जा सकती हैं ?

नाटक

- 4 क “नाटक में कथोपकथन सर्वोच्च स्थान रखता है इस में ही चरित्र व कथावस्तु का विकास और उद्देश्य का स्पष्टीकरण होता है ।” जिन नाटकों को आपने पढ़ा है उनके संदर्भ में यह कथन कहाँ तक मान्य है ?

या

- ख “नाटक की सफलता के लिए यह अनिवार्य है कि उसकी भाषा जनसमुदाय की बोलचाल की भाषा हो और वो देशकाल व वातावरण का उचित प्रस्तुतीकरण करे ।” जिन नाटकों को आपने पढ़ा है उनके नाटककार कहाँ तक इस जरूरत की पूर्ति कर पाए हैं ?

निबंध

- 5 क “निबंध में किसी समस्या या विषय पर विचार-विमर्श किया जाता है और इस में भावना का स्थान विचार या चिन्तना ले लेती है ।” जिन निबंधों को आपने पढ़ा है उनके आधार पर आप इस कथन से सहमत हैं या नहीं ?

या

- ख निबंध में रौचिक भाषा व मार्मिक शैली द्वारा किसी जटिल विषय को भी आसान व प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है ? जिन निबंधों को आपने पढ़ा है उनकी भाषा व शैली पर विचार-विमर्श करते हुए बताएं कि वे कहाँ तक प्रभावशाली निबंध माने जा सकते हैं ?

साधारण प्रश्न

- 6 क “किसी भी साहित्यक रचना के प्रभावशाली होने के लिए यह अनिवार्य है कि उसकी भाषा सरल हो और उसका विषयवस्तु जन-समुदाय की जिन्दगी से संबंधित हो।” जिन रचनायों को आपने पढ़ा है उनके आधार पर टिप्पणी कीजिए।
- या
- ख “साहित्यकार बहुधा अपने देशकाल से प्रभावित होता है। जब कोई लहर उठती है तो वह उससे अविचलित नहीं रह सकता।” जिन रचनायों को आपने पढ़ा है उनके संदर्भ में यह कथन कहाँ तक मान्य है।
- या
- ग जिन रचनायों को आपने पढ़ा है उनमें निम्नलिखित में से किसी एक को प्रस्तुत करने के लिए लेखकों द्वारा अपनाए गए साधनों की तुलना कीजिए :
प्रकृति, नारी सौन्दर्य व समाज में नारी का स्थान या समाज में दलित व उच्च वर्ग।
- या
- घ “साहित्यक रचना में गंभीर व जटिल विषयवस्तु को मनोरंजक ढंग से मार्मिक शैली में भी प्रस्तुत किया जा सकता है”। जिन रचनायों को आपने पढ़ा है उनके आधार पर इस पर टिप्पणी कीजिए।
-